ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक:02.02.2024

उधम सिंह नगर (उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन :2023-02-02 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	03/02/2024	04/02/2024	05/02/2024	06/02/2024	07/02/2024
वर्षा (मीमी)	0.0	0.0	3.0	8.0	1.0
अधिकतम तापमान(से.)	23.0	20.0	21.0	22.0	23.0
न्यूनतम तापमान(से.)	6.0	9.0	8.0	7.0	6.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता(%)	75	75	85	85	75
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता(%)	35	35	45	45	35
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	1	1	2	2	2
पवन दिशा (डिग्री)	320	320	320	230	230
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	7	6	1

सम सारांश / चेतावनी:

पिछले सात दिनों (26 जनवरी से 01 फरवरी) में 1 फरवरी को 7.2 मिमी की हल्की वर्षा देखि गयी , तथा अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमश: 11.5-22.5 और 2.4-12.8 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। अधिकांश दिनों बादल और धुंध छाई रही। सुबह और शाम की सापेक्षिक आर्द्रता क्रमश: 91-100% और 52-95% के बीच रही। हवा की गति ज्यादातर 0.9-3.5 किमी प्रति घंटे के बीच थी , जो मुख्य रूप से दक्षिण-दक्षिण-पश्चिम , दक्षिण-दक्षिण-पूर्व, दक्षिण-पश्चिम, पूर्व-दक्षिण-पूर्व और दक्षिण-पूर्व दिशा से चली थी। आगामी 5 दिनों के पूर्वानुमान में 3-8 मिमी की बहुत हल्की से हल्की वर्षा दिखाई देती है, जिसमें अधिकतम और न्यूनतम तापमान 20.0-23.0oC और 6-9oC के बीच रहने की संभावना है । दक्षिण-पश्चिम और उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा की गति 1-2 किमी प्रति घंटा रहने की संभावना है। 4 फरवरी , 2024 को कुछ स्थानों पर तथा 5 और 6 फरवरी , 2024 को अलग-अलग स्थानों पर आंधी और बिजली के साथ बहुत हल्की वर्षा होने की संभावना है। इस क्षेत्र में 3 फरवरी, 2024 को शुष्क मौसम रहने की संभावना है और 2 फरवरी , 2024 को घने कोहरे के बारे में येलो अलर्ट दिया गया है।

सामान्य सलाहकार:

मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह के बारे में एक नियमित अपडेट “मेघदूत ऐप” पर उपलब्ध है और बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए “दामिनी ऐप” भी उपलब्ध है। मेघदूत और दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड यूज़र) और ऐप सेंटर (iOS यूज़र) से डाउनलोड किया जा सकता है। एनडीवीआई कंपोजिट क्षेत्र में मध्यम कृषि शक्ति को दर्शाता है। विस्तारित रेंज पूर्वानुमान प्रणाली 2 से 8 फरवरी के दौरान वर्षा, अधिकतम और न्यूनतम तापमान की सामान्य प्रवृत्ति दर्शाती है। बहुत हल्की से हल्की वर्षा की भविष्यवाणी की गई है, इसलिए उचित कृषि पद्धतियों को तदनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए जैसे कि सिंचाई और रासायनिक अनुप्रयोग को फिलहाल स्थगित करना।

लघु संदेश सलाहकार:

4, 5 और 6 फरवरी को आंधी/बिजली के साथ बहुत हल्की वर्षा होने की संभावना जताई गई है, इसलिए सिंचाई और रासायनिक उपयोग फिलहाल स्थगित कर देना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सलविशिष्टसलाह
चना/मसूर	वानस्पतिक/फूलआना	पूर्वानुमान के अनुसार फूलों और फली संरचनाओं में सिंचाई का आवेदन निर्धारित किया जाना चाहिए।
राइएवंतोरिया (लाही) / पीलीसरसों	परिपक्वता/ फूलआना/फली बनना	रेपसीड फसल को परिपक्वता पर काटा जाना चाहिए और दाना झाड़ने से पहले अच्छी तरह से सुखाया जाना चाहिए। उपज के नुकसान से बचने के लिए आवश्यकता के अनुसार सरसों (राई) में फूल आने और फली बनने की अवस्था में सिंचाई करना आवश्यक है। कीट और बीमारी के हमले के लिए सरसों की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और नियंत्रण के लिए अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए। झुलसा रोग में, 800-1000 लीटर पानी में मैनकोज़ेब 75%, 2 कीग्रा/हेक्टेयर का नियमित छिड़काव, 10 दिनों के अंतराल पर 2-3 बार आवश्यक है। सफेद गेरुई रोग में मेटालैक्सिल 35 डब्लू ऐस या रिडोमिल एम जेड 72, 2.5 किग्रा/हेक्टेयर की दर से 800-1000 लीटर पानी में, 10 दिनों के अंतराल पर 2-3 बार नियमित छिड़काव करना चाहिए। तुलासिता रोग आने पर मेटालैक्सिल 35 डब्लू ऐस या रिडोमिल एम जेड 72, 2 किग्रा/हेक्टेयर की दर से 500 लीटर पानी में मिलाकर 1-2 बार छिड़काव किया जा सकता है। कटी हुई फसल को पूर्वानुमानित वर्षा के अनुसार संरक्षित किया जाना चाहिए और किसी भी तरह के रासायनिक उपयोग स्थगित किये जाना चाहिए।
गेहू	वानस्पतिक	आवश्यकतानुसार फसल की सिंचाई करनी चाहिए और खरपतवार नियंत्रित करना चाहिए। पीला रतुआ दिखने पर उचित उपाय किये जाने चाहिए। पूर्वानुमान के अनुसार सिंचाई आवेदन निर्धारित किया जाना चाहिए।
जौ	वानस्पतिक	आवश्यकता अनुसार फसल की सिंचाई की जानी चाहिए और खरपतवार प्रबंधन के लिए उपाय किये जाना चाहिए। पूर्वानुमान के अनुसार किसी भी तरह का कृषि कार्य निर्धारित किया जाना चाहिए।
चारा फसलें	वानस्पतिक	फसलों में पहली कटाई के बाद सिंचाई की जानी चाहिए और जई की फसल में यूरिया का प्रयोग किया जाना चाहिए। पूर्वानुमान के अनुसार किसी भी तरह का कृषि कार्य निर्धारित किया जाना चाहिए।
गन्ना	परिपक्वता/वनस्पति	फसल को 16-18% ब्रिक्स पर काटा जाना चाहिए और शरद ऋतु के गन्ने

		में उचित कृषि कार्यों का पालन किया जाना चाहिए। पूर्वानुमान के अनुसार किसी भी तरह का कृषि कार्य निर्धारित किया जाना चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानीविशिष्टसलाह
प्याज	अंकुर	प्याज के पौधों को सीधी बारिश के प्रभाव से बचाना चाहिए और उचित उपाय किए जाने चाहिए। पौधों को इस तरह ढके की हवा-पानी का बहाव बना रहे। पूर्वानुमान के अनुसार किसी भी तरह का कृषि कार्य निर्धारित किया जाना चाहिए।
सब्जी मटर	फूल आना/फली बनना/परिपक्वता	मटर की फसल सूखी और ठंडी रातों के प्रति बहुत संवेदनशील होती है इसलिए आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए और कीटों और बीमारियों की नियमित निगरानी की जानी चाहिए। फफूंद/माहू कीट के हमले पर उचित रासायनिक या यांत्रिक उपाय किए जाने चाहिए। पूर्वानुमान के अनुसार किसी भी तरह का कृषि कार्य निर्धारित किया जाना चाहिए।
टमाटर/मिर्च	फूल/फल बनना	तापमान और आर्द्रता का स्तर कीट और बीमारी के हमले के लिए उपयुक्त है, इसलिए फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए। रोग फैलाने वाले कीटों के लिए फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और अनुशंसित प्रथाओं के साथ नियंत्रित किया जाना चाहिए।टमाटर में पछेती झुलसा रोग के नियंत्रण के लिए सलाह दी जाती है कि मैंकोजेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिए। पूर्वानुमान के अनुसार किसी भी तरह का कृषि कार्य निर्धारित किया जाना चाहिए।
आलू	परिपक्वता	आलू में पछेती झुलसा रोग को नियंत्रित करने के लिए, मैनकोज़ेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी के दर से घोल बनाकर छिड़काव किया जाना चाहिए। पूर्वानुमान के अनुसार किसी भी तरह का कृषि कार्य निर्धारित किया जाना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय/ भैंस	पशुओं को ठंड से बचाने के लिए पशुओं के भोजन में तेल एवं गुड़ की मात्रा बढ़ा दें। पशुओं को अजवायन और गुड़ भी खिलाएं। पशुओं को ठंड से बचाने के लिए शेड में उचित व्यवस्था करनी चाहिए। पशुओं को रिंडरपेस्ट रोग (शीतला रोग) से बचाने के लिए टीकाकरण कराना चाहिए।अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता के लिए पशु आहार में 10% की वृद्धि की जानी चाहिए।
मुर्गी	पशुचिकित्सक के अनुसार मुर्गियों को एफ़लाटोक्सिओसिस के लिए दवाई प्रशासित किया जाना चाहिए जो उनके चारे में फंगस के पनपने के कारण हो सकता है ।